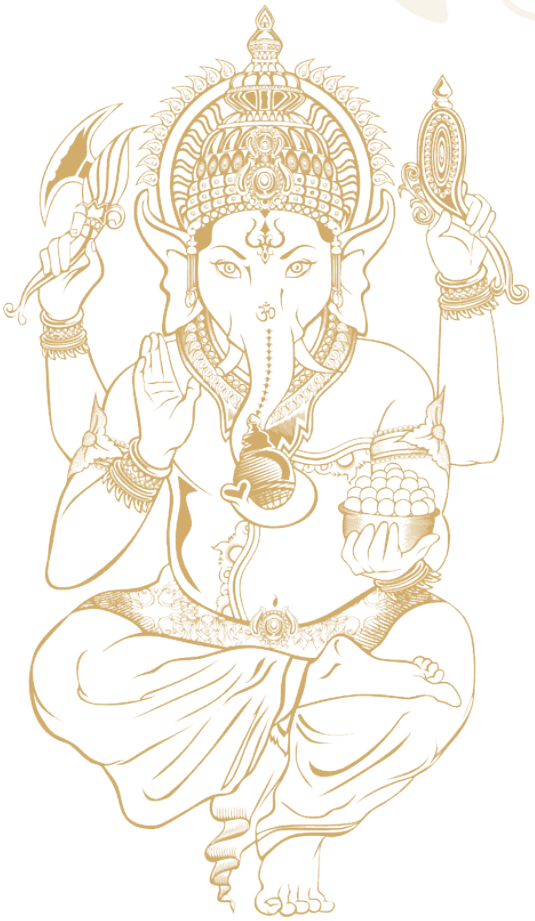

Gurnoor Singh

11 Feb 2004

08:46 PM

Kurukshetra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121024804

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/02/2004**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**20:46:00 घंटे**
इष्ट	34:08:02 घटी
स्थान	**Kurukshetra**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:59:00 उत्तर
रेखांश	76:51:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:23:24 घंटे
वेलान्तर	-00:14:16 घंटे
साम्पातिक काल	05:47:33 घंटे
सूर्योदय	07:06:47 घंटे
सूर्यास्त	18:07:15 घंटे
दिनमान	11:00:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	28:19:05 मकर
लग्न के अंश	03:22:20 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	गण्ड
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	03:22:20	314:40:31	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			मक	28:19:05	01:00:42	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	03:23:34	13:46:30	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल			मेष	11:19:02	00:38:15	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
बुध			मक	12:55:26	01:33:53	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
गुरु	व		सिंह	22:43:06	00:06:33	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मीन	09:34:19	01:10:33	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शनि	व		मिथु	12:57:01	00:02:42	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मेष	21:00:24	00:01:41	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	21:00:24	00:01:41	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	08:16:24	00:03:25	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप			मक	19:18:22	00:02:16	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	27:51:04	00:01:21	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	03:13:46	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:41

लग्न-चलित

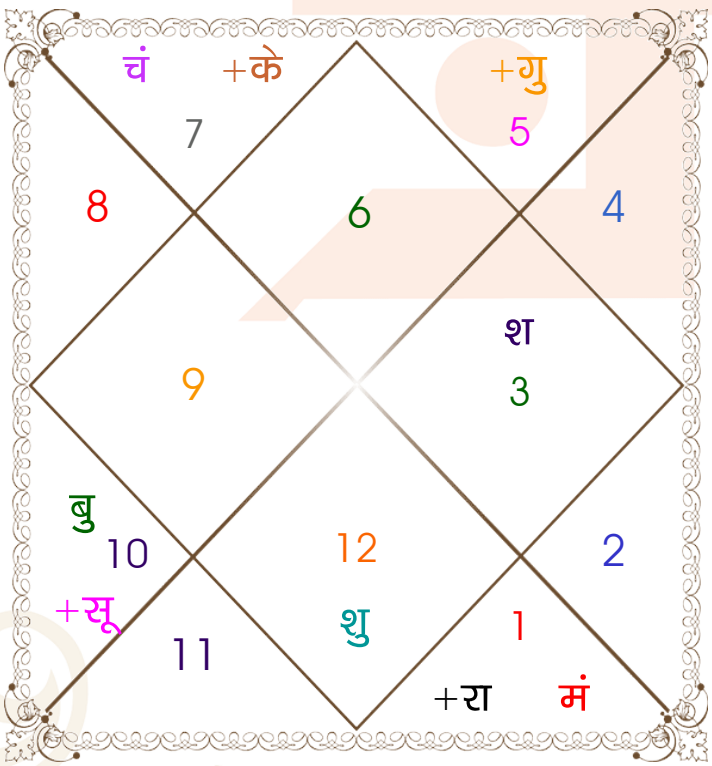

चन्द्र कुंडली

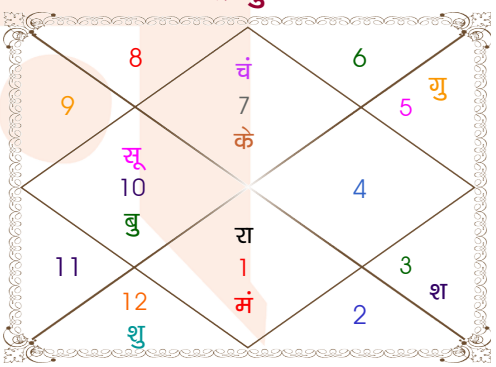

नवमांश कुंडली

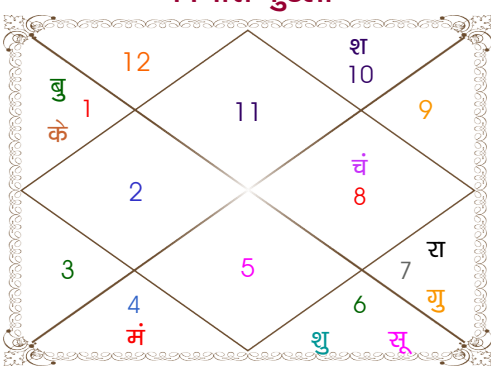

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 8 मास 19 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
11/02/2004		31/10/2005		01/11/2023		01/11/2039		31/10/2058	
31/10/2005		01/11/2023		01/11/2039		31/10/2058		01/11/2075	
	00/00/0000	राहु	13/07/2008	गुरु	19/12/2025	शनि	03/11/2042	बुध	29/03/2061
	00/00/0000	गुरु	07/12/2010	शनि	01/07/2028	बुध	14/07/2045	केतु	26/03/2062
	00/00/0000	शनि	13/10/2013	बुध	07/10/2030	केतु	22/08/2046	शुक्र	24/01/2065
	00/00/0000	बुध	01/05/2016	केतु	13/09/2031	शुक्र	22/10/2049	सूर्य	01/12/2065
	00/00/0000	केतु	20/05/2017	शुक्र	14/05/2034	सूर्य	04/10/2050	चंद्र	02/05/2067
	11/02/2004	शुक्र	20/05/2020	सूर्य	02/03/2035	चंद्र	04/05/2052	मंगल	28/04/2068
शुक्र	24/11/2004	सूर्य	13/04/2021	चंद्र	01/07/2036	मंगल	13/06/2053	राहु	16/11/2070
सूर्य	01/04/2005	चंद्र	13/10/2022	मंगल	07/06/2037	राहु	19/04/2056	गुरु	21/02/2073
चंद्र	31/10/2005	मंगल	01/11/2023	राहु	01/11/2039	गुरु	31/10/2058	शनि	01/11/2075

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
01/11/2075		31/10/2082		01/11/2102		01/11/2108		01/11/2118	
31/10/2082		01/11/2102		01/11/2108		01/11/2118		00/00/0000	
केतु	29/03/2076	शुक्र	02/03/2086	सूर्य	19/02/2103	चंद्र	01/09/2109	मंगल	31/03/2119
शुक्र	29/05/2077	सूर्य	02/03/2087	चंद्र	21/08/2103	मंगल	02/04/2110	राहु	17/04/2120
सूर्य	04/10/2077	चंद्र	31/10/2088	मंगल	26/12/2103	राहु	02/10/2111	गुरु	24/03/2121
चंद्र	05/05/2078	मंगल	31/12/2089	राहु	19/11/2104	गुरु	31/01/2113	शनि	03/05/2122
मंगल	01/10/2078	राहु	31/12/2092	गुरु	07/09/2105	शनि	02/09/2114	बुध	30/04/2123
राहु	19/10/2079	गुरु	01/09/2095	शनि	20/08/2106	बुध	01/02/2116	केतु	26/09/2123
गुरु	24/09/2080	शनि	31/10/2098	बुध	27/06/2107	केतु	01/09/2116	शुक्र	12/02/2124
शनि	03/11/2081	बुध	01/09/2101	केतु	02/11/2107	शुक्र	03/05/2118		00/00/0000
बुध	31/10/2082	केतु	01/11/2102	शुक्र	01/11/2108	सूर्य	01/11/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 8 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।